सोमवार
21 अगस्त 2023

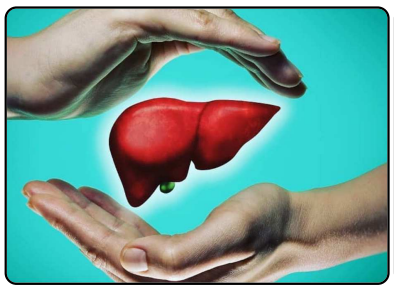

पृष्ठ 4

लीवर को प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स करने के लिए आजमाएं ये 5 असरदार घरेलू नुस्खे

पृष्ठ 5

शाहिद कपूर एक्शन-कॉमेडी फिल्म में दोहरी भूमिका में दिखेंगे

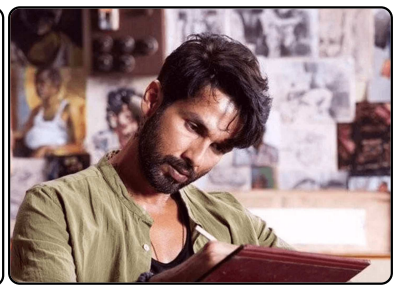

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 194
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

अपनी भूल अपने ही हाथों से सुधर जाए तो यह उससे कहीं अच्छा है कि कोई दूसरा उसे सुधारे।

– प्रेमचंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

लाखों रुपए की ई-सिगरेट सहित दो लोग गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंह नगर। नेपाल से तस्करी कर लाई जा रही लाखों रुपए की ई सिगरेट सहित पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों द्वारा यह ई सिगरेट दिल्ली पहुंचाई जा रही थी।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना सितारगंज पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक कार से कुछ नशा तस्कर भारी मात्रा में ई-सिगरेट की तस्करी करने वाले हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को चीकाघाट पुल के पास एक संदिग्ध स्विफ्ट डिजायर कार आती हुई दिखाई दी। जिसे रोककर तलाशी ली गई तो उसमें रखी 11 पेटियो से कुल 2190 अलग-अलग फ्लेवर की इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट बरामद हुई। कार में बैठे दो लोगों को हिरासत में लेकर जब पुलिस ने पूछताछ शुरू की तो उन्होंने अपना नाम नाजिम खाँ पुत्र जकरूल्ला व अफरोज पुत्र अल्लन खाँ निवासी खटीमा बताया। बताया कि वह यह ई सिगरेट नेपाल से किसी रिंकू रोकाया नाम के व्यक्ति से लाए है जिसे उनके द्वारा दिल्ली पहुंचाया जाना था। बहरहाल पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में भेज दिया है वहीं बरामद ई सिगरेटों की कीमत 57 लख रुपए बताई जा रही है।

टैक्सी स्टैंड के पास भूस्खलन, कुछ लोगों की दबे होने की संभावना

हमारे संवाददाता

टिहरी। राज्य में हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इस क्रम में आज टिहरी के चंबा टैक्सी स्टैंड के समीप भूस्खलन की खबर सामने आई है। जहां इस भूस्खलन में वाहनों के फंसे होने की बात कही जा रही है वही कुछ लोगों के दबे होने की भी संभावनाएं भी जताई गई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे राहत व बचाव दल ने रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया है।

जानकारी के अनुसार आज टिहरी के चंबा टैक्सी स्टैंड के समीप भारी भूस्खलन हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस भूस्खलन के चलते जहां कई वाहन दब चुके हैं वहीं कुछ लोगों के मलबे में दबे होने की बात कही जा रही है। सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच चुकी है और रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही स्लाइड वाले स्थान के पास के घरों को खाली कराया गया है।

बता दें कि बरसाती सीजन के चलते राज्य में भूस्खलन के अब तक कई

हादसे हो चुके हैं जिसमें कई लोगों को अपनी जानें गंवानी पड़ी है। इससे पूर्व रुद्रप्रयाग क्षेत्र में भूस्खलन हुआ था जिसके मलबे में से कुछ शव तो निकले जा चुके हैं। लेकिन कई दिन बीत जाने के बावजूद आज भी अधिकांश लोग लापता है जिनकी तलाश जारी है।

110 साल में चौथी शादी

कराची। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में 110 साल के एक बूढ़े शख्स ने चौथी बार निकाह किया है। बूढ़े शख्स के निकाह का वीडियो बेहद वायरल हो रहा है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में रहने वाले 110 साल के बूढ़े शख्स का नाम

अब्दुल हन्नान है। उन्होंने अपने से आधी उम्र की महिला यानी 55 साल की महिला के साथ निकाह किया। काजी मुहम्मद अरशद ने निकाह का पूरा काम-काज किया, जहां मनशेहरा जिले के पूर्व पार्षद खालिद खान गवाहों में से थे। 110 वर्षीय बूढ़े दूल्हे के परिवार में कुल 84 सदस्य हैं। उनके 12 बच्चे है। इन 12 बच्चों में 6 बेटे और 6 बेटियां है। इसके अलावा बूढ़े आदमी के भाई लोगों के भी बेटे-बेटियां है। अब्दुल हन्नान के सबसे बड़े बेटे की उम्र 70 साल है, जो अपने पिता के चौथी बीवी से 15 साल बड़ा है। 110 साल के एक बूढ़े शख्स ने खैबर पख्तूनख्वा के मनशेहरा जिले की एक मस्जिद में 5,000 रुपये की मेहर के साथ निकाह किया है। उनके निकाह समारोह में उनके परिवार के सदस्य मौजूद थे।

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पर युवक ने फेंका जूता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पर एक युवक ने जूता फेंका। वहीं, सपा कार्यकर्ताओं ने आरोपी को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद पुलिस पर भी सपा कार्यकर्ता भड़क गए। हालांकि, पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। आरोपी युवक का नाम आकाश सैनी है।

बताया जा रहा है कि युवक वकील के भेष में आया था। हालांकि, इस हमले में स्वामी प्रसाद मौर्य तक जूता नहीं पहुंच पाया और वह बाल-बाल बच गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी स्वामी प्रसाद के हाल के बयानों से दुखी था। इसी का विरोध जताने के लिए उसने ऐसा किया है। वहीं, युवक के इस हरकत से कार्यक्रम में अफरातफरी का माहौल रहा। दरअसल,लखनऊ में समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग महासम्मेलन आयोजित करा रही है। इसी सम्मेलन में पार्टी के महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य कार्यकर्ताओं को संबोधित करने पहुंचे थे। हालांकि, अभी तक इस हमले को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य ने अबतक कोई बयान नहीं दिया है।

वहीं, सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि आज जो स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला हुआ है, वह खुद समाजवादी पार्टी ही करवा रही है। यह दलितों-पिछड़ों के साथ अन्याय है। हाल ही में स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरितमानस की चौपाइयां को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था। सपा नेता ने कहा था कि रामचरितमानस में जो आपत्तिजनक चौपाइयां हैं, उन्हें हटा देना चाहिए, क्योंकि जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल हुआ है।

दून वैली मेल

संपादकीय

अंकिता को न्याय मिलने में देरी, कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल

अंकिता भंडारी की हत्या को 1 साल का समय होने जा रहा है लेकिन इस हत्याकांड को लेकर राज्य के लोगों में आज भी आक्रोश बरकरार है इसके पीछे कुछ तो कारण है? अगर शासन प्रशासन पर अंकिता के परिजन लगातार यह आरोप लगाते रहे हैं कि वह मामले को दबाने में प्रयासरत है तो वह बेवजह नहीं है। ऐसे कई सवाल हैं जो इस संदेह को पुख्ता करते हैं। इस हत्याकांड के घटनाक्रम पर अगर सिलसिलेवार गौर किया जाए तो इन सवालों का जवाब खोजने पर भी नहीं मिलता है। अंकिता भंडारी की हत्या 18 सितंबर को की गई और आरोपियों द्वारा 19 सितंबर को खुद ही राजस्व पुलिस में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई। लेकिन 23 सितंबर तक राजस्व पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की क्योंकि राजस्व पुलिस का पटवारी आरोपियों का राजदार था और उसे इस घटना के बारे में पूरी जानकारी थी। मामले के तूल पकड़ने के बाद ऋषिकेश पुलिस द्वारा 23 सितंबर को अंकिता की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई और इसी दिन तीनों हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिनकी गिरफ्तारी होते ही उसी रात वनंतरा रिजाट के उस कमरे पर बुलडोजर चलवा दिया गया जिसमें अंकिता रहती थी। 24 सितंबर को यानी हत्या के 1 सप्ताह बाद चीला नहर में आरोपियों की निशानदेही पर अंकिता का शव बरामद कर लिया गया लेकिन उसका और मुख्य आरोपी का मोबाइल आज तक भी बरामद नहीं हो पाया और न एसआईटी की टीम को रिजाट से कोई अहम सबूत मिले। यही नहीं जिस वीआईपी को स्पेशल सर्विस देने के लिए अंकिता पर दबाव बनाने की बात सामने आई थी उसका पता एसआईटी आज तक नहीं लगा सकी है और न आरोपियों का नारको टेस्ट करा सकी है। इस पूरे केस में हर कदम पर लापरवाही व देरी की क्या वजह हो सकती है, बुलडोजर चलाने से लेकर अंकिता के शव तक 1 सप्ताह बाद बरामद होने,

वीआईपी का पता न चल पाने,फोन न बरामद होने आदि आदि तमाम सवाल यही बताते हैं कि जांच एजेंसी के पास ऐसा कुछ नहीं है जो आरोपियों को सजा दिला सके। अब जहां अंकिता के हत्यारे अपनी जमानत के प्रयासों में जुटे हैं वही इस पूरे मामले में अंकिता के परिजन और आम लोग सीबीआई जांच की मांग करते-करते थक गए है। लेकिन मामले की सीबीआई जांच नहीं हो सकी है। इतने बड़े जगन्य अपराध में अगर शासन प्रशासन अपराधियों को सजा दिलवा नहीं पाता है तो यह पीड़ितों के साथ अन्याय ही नहीं सामाजिक सुरक्षा की भी बड़ी हार होगी। वहीं पीड़ितों को न्याय मिलने में देरी भी कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

डीडीहाट की स्वास्थ्य व्यवस्था धामी सरकार के कुशासन का नमूना: गरिमा

संवाददाता

देहरादून । कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने कहा कि डीडीहाट के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक्स रे व अल्ट्रासाउंड के लिए लोगों को दर दर भटकना पड़ता है। आज यहाँ गरिमा मेहरा दसौनी ने कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर पिथौरागढ़ जिले की जर्जर होती स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर धामी सरकार को आइना दिखाया।

दसौनी ने कहा की डीडीहाट और टनकपुर जो की मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जन्म और कर्मस्थली दोनों रहे हैं उस डीडीहाट के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक्स रे मशीन और अल्ट्रासाउंड के लिए स्थानीय लोग दर दर की ठोकरें खा रहे हैं। गर्भवती प्रसूता महिलाएं भगवान भरोसे हैं। डीडीहाट का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर केंद्र बन चुका है, वहां आने वाले हर मरीज को पिथौरागढ़ रेफर कर दिया जाता है । पिथौरागढ़ जाने के लिए डीडीहाट के लोगों को ढाई से 3000 की गाड़ी करनी पड़ती है और लगभग उतना ही खर्चा गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड करवाने में पड़ता है जो कि इस महंगाई के दौर में उनके ऊपर वज्रपात की तरह है। दसौनी ने कहा कि अंत्योदय की बड़ी-बड़ी बातें करने वाली भाजपा ने ग्रामीण अंचलों के लोगों को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। ऐसे में डीडीहाट कि वनराज जनजाति स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में जीवन जीने को मजबूर है। डीडीहाट का सामुदायिक केंद्र उनके घरों से 9 किलोमीटर दूर है। दसौनी ने कहा की चुफाल हर सरकार में मंत्री पद पर शोभायमान रहे हैं भाजपा के प्रधान से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक रहे हैं ऐसे में यदि वह अपनी विधानसभा को एक अदद एक्स रा और अल्ट्रासाउंड मशीन तक मुहैया नहीं करवा पा रहे हैं तो उन्हें जनप्रतिनिधि कहलाने का कोई हक नहीं। दसौनी ने कहा कि डीडीहाट के स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता विगत 6 दिनों से डीडीहाट के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में धरनारत हैं परंतु शासन प्रशासन में उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं। दसौनी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मांग की है की डीडीहाट के स्वास्थ्य केदो में रिक्त पदों को शीघ्र अति शीघ्र भरा जाए, सामुदायिक केंद्र का भवन जर्जर अवस्था में है नया भवन बनाया जाए और जल्द से जल्द वहां की गर्भवती महिलाओं के लिए एक्स रे मशीन एवं अल्ट्रासाउंड मशीन की व्यवस्था की जाए।

पत्रकार वार्ता के दौरान प्रवक्ता शीशपाल सिंह बिष्ट मौजूद थे ।

क्लीन एण्ड ग्रीन इनवायरमेंट सोसाइटी ने जिला कारागार सुद्धोवाला में किया वृक्षारोपण

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। क्लीन एण्ड ग्रीन इनवायरमेंट सोसाइटी द्वारा जिला कारागार देहरादून में बृहद वृक्षारोपण अभियान किया गया। इस अवसर पर देहरादून जेल के अधीक्षक दधिराम तथा जेलर पवन कोठारी भी उपस्थित रहे। देहरादून जेल के जेलर पवन कोठारी द्वारा क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट सोसायटी के संस्थापक राम कपूर से निवेदन किया गया कि देहरादून जेल में वृक्षों की आवश्यकता है जिसे देखते हुए समिति द्वारा यहां वृक्षारोपण किया गया।

समिति द्वारा इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के लगभग 30 वृक्ष लगाए गए जिनमें पीपल, बरगद, पिलखन, नीम, आम, नाशपाती, सिल्वर ऑक इत्यादि के वृक्ष शामिल किए गए। इससे पूर्व भी वर्ष 2015 में समिति द्वारा देहरादून जेल में लगभग डेढ़ सौ वृक्ष लगाए गए थे जिनमें अधिकतर वृक्ष बहुत अच्छी स्थिति में है। वृक्षों की सुरक्षा हेतु ट्री गाड्र्स भी लगाए गए। डककं देहरादून द्वारा वृक्षों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड उपलब्ध कराए गए।

देहरादून जेल के अधीक्षक दधिराम तथा जेलर पवन कोठारी द्वारा समिति के कार्यों को सराहा गया तथा वृक्षारोपण में शामिल समिति के बच्चों का भी उत्साह वर्धन किया गया। इस अवसर पर समिति के लगभग 25 से अधिक सदस्यों ने प्रतिभाग किया तथा साथ ही जेल के कुछ कैदियों ने भी वृक्षारोपण में सहयोग किया।

इस वृक्षारोपण अभियान में समिति के अध्यक्ष राम कपूर, उपाध्यक्ष रंदीप वालिया, कोषाध्यक्ष शम्भू शुक्ला, सचिव जेपी किमोठी, संयोजक नितिन कुमार, राकेश दुबे, मंजुला रावत, सुभाष नागपाल, सोनिया, हृदय कपूर, प्रदीप रावत, सुमित खन्ना, राजेश बाली, गगन चावला, संदीप मेंहदीरत्ता, कुलजिंदर सिंह, विश्वास दत्त, अमर जैन, भूमिका, सृष्टि दुबे, सृष्टि नेगी, सुंदर, रेयांश, नमीत चौधरी, अमूल्य किमोठी इत्यादि सद्स्य तथा देहरादून जेल के अधीक्षक दधिराम एवं जेलर पवन कोठारी उपस्थित रहे।

फेमिना तीज क्वीन का खिताब शालीनी नेगी ने जीता

देहरादून (कासं)। फेमिना ब्यूटी सैलून माजरा एवं बड़ोवाला, देहरादून द्वारा सुन्दर पैलेस, माजरा में तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिनमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पुरस्कार जीते। कार्यक्रम में तंबोला, रैम्प वॉक, नृत्य और गायन प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। फेमिना तीज क्वीन का खिताब श्रीमती शालीनी नेगी ने जीता। वही सरोज रावत ने तंबोला में पहला स्थान प्राप्त किया। फेमिना सैलून की संचालिका श्रीमती नंदा सुंद्रियाल ने कहा कि हमें अपने त्यौहारों और अपनी संस्कृति से जुड़े रहने और इसे भावी पीढ़ी तक पहुंचाने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि उनके सैलून में महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और उनको आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से वह सैलून का प्रशिक्षण भी देती हैं।

अति नो विष्पिता पुरु नौभिरपो न पर्षथ।
यूयमृतस्य रथ्य:।।
(ऋग्वेद ८-८३-३)

हे देवों ! जिस प्रकार नाव से नदी को पार करते हैं उसी प्रकार हमें उत्तम कर्म करने की प्रेरणा दें जिससे कि हम अपनी जीवन नैया द्वारा इस संसार के भवसागर को पार कर सकें।

गंगनानी बस दुर्घटना: पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र पहुँचे उत्तरकाशी

संवाददाता

उत्तरकाशी। गंगनानी में हुई बस दुर्घटना में घायलों का हाल जानने के लिए आईजी गढवाल करन सिंह नगन्याल जिला अस्पताल पहुंचे।

आज यहां आईजी, करन सिंह नगन्याल ने जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी पहुँचकर घायलों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। दुर्घटना की जाँच व अन्य कानूनी कार्यवाहियों को त्वरित रुप से करने के दिये निर्देश। गोल्डन हावर्स में घायलों को रेस्कयू कर जान बचाने के लिये जिला पुलिस प्रशासन व स्थानीय लोगों को सराहना की। घायल तीर्थयात्रियों द्वारा भी जिला पुलिस प्रशासन व गढ़वाली

लोगो का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।दुर्घटना में 28 घायलों मे से 14 को हायर मेडिकल सेंटर रेफर किया गया है जबकि 07 मृतकों के शव को पंचायतनामा की कार्यवाही के उपरांत आज प्रात: जौलीग्रांट के लिए भेज दिया गया है। इस दौरान जिलाधिकारी उत्तरकाशी अभिषेक रुहेला, पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी अर्पण यदुवंशी व अन्य पुलिस अधिकारी व स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

मोटे और उलझे बालों के लिए लकड़ी का हेयर ब्रश है वरदान

हमारे बाल हमारी खूबसूरती का आइना होते हैं। बालों में तेल लगाना और शैंपू करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है बालों के लिए एक अच्छे हेयर ब्रश का होना। एक अच्छे किस्म का हेयर ब्रश, हेयर फॉल को काफी हद तक कम कर देता है। ऐसे में जरूरी है कि आप यह जान लें कि आपके बालों के लिए किस प्रकार का हेयर ब्रश अच्छा है।

अधिकतर लोग इस बात से शायद वाकिफ न हों, लेकिन बालों के लिए लकड़ी से बना हेयर ब्रश सबसे अच्छा माना जाता है। यह बालों को टूटने से बचाता है और बालों के नेचुरल ऑयल को स्कैल्प पर फैलाता है, जिससे बाल कभी ड्राय नहीं होते। अगर आप वुडन ब्रश पर पैसे इंवेस्ट करेंगी तो कुछ गलत नहीं होगा। आइए जानते हैं कि यह बालों के लिए किस तरह से वरदान साबित हो सकता है...

हेयर ग्रोथ में करे मदद

वुडन ब्रश से स्कैल्प की मालिश हो जाती है। यह खोपड़ी में रक्त परिसंचरण को बढ़ावा देता है, जिससे बालों की लंबाई बढ़ती है। इस प्रकार की कंघी बालों पर मुलायम तरीके से काम करती है और सीबम को पूरे सिर पर अच्छे से फैलाती है, जिससे बाल मॉइस्चराइज होते हैं और उनमें चमक आती है।

स्कैल्प की मसाज करे

वुडन कोंब या ब्रश सिर पर एक मसाजर की तरह काम करता है और स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है। इससे बाल हेल्दी और मजबूत निकलते हैं। इससे बालों को झाड़ने से तनाव को भी कम करने में मदद मिलती है।

प्लास्टिक या मेटल ब्रश/कंघी के विपरीत, लकड़ी के ब्रिसल ब्रश किसी भी स्टैटिक का उत्पादन नहीं करते हैं।

बालों का टूटना होगा कम

कई लोगों ने पाया है कि लकड़ी के ब्रश यूज करने से बालों का टूटना कम होता है। यह आराम से आपके बालों में ग्लाइड होते हैं, जिससे फिजी बाल भी पूरी तरह से सुलझ जाते हैं। वुड ब्रश बहुत ही घने और मोटे बालों के लिए ये बढ़िया है।

गीले बालों के लिए बेस्ट

यदि आपके बाल गीले हैं और आपको उन्हें तुरंत सुलझाना है, तो वुडन ब्रश से बेहतर कुछ नहीं हो सकता है। गीले बाल काफी ज्यादा कमजोर होते हैं, जिस कारण उनमें कंघी करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वुडन ब्रश, जिसमें काफी मोटे ब्रिसल लगे होने के कारण बाल बिना खींचे ही सुलझ जाते हैं।

स्तनपान के सिर्फ फायदे ही नहीं बल्कि नुकसान भी हैं

स्तनपान को मां और शिशु दोनों के लिए फायदेमंद माना जाता है। हालांकि, स्तनपान करवाना मां के लिए बहुत मुश्किल होता है। डिलीवरी के बाद पहले कुछ हफ्तों में शिशु को दूध पिलाना बहुत मुश्किल होता है। स्तनपान करवाने के फायदे और नुकसान दोनों ही होते हैं और इस आर्टिकल में हम आपको स्तनपान करवाने से महिलाओं को होने वाले नुकसान के बारे में बता रहे हैं।

दर्द और पीरियड के साथ एडजस्ट करना

ब्रेस्टफीडिंग के शुरुआती हफ्ते अक्सर सबसे ज्यादा मुश्किल होते हैं। कुछ महिलाओं के स्तनों में दूध भी कम आता है जिससे शिशु को दूध पिलाने में दिक्कत होती है। इसके अलावा निप्पल में दर्द या क्रैक भी अन्य समस्या है। कुछ महिलाओं को गंभीर ब्रेस्ट इंफेक्शन जैसे कि मैस्टिटिस का खतरा रहता है।

शुरुआत में महिलाओं को शिशु को दूध पिलाना सीखना पड़ता है जिसकी वजह से नींद पूरी नहीं हो पाती है और शिशु की देखभाल भी करनी पड़ती है। वहीं, डिलीवरी के बाद रिकवर भी करना होता है जिसकी वजह से थकान और डिलीवरी के बाद होने वाली समस्याएं स्तनपान को और ज्यादा मुश्किल बना सकती हैं।

निप्पल टाइट होना

निप्पलों पर नसें होती हैं और इसकी स्किन बहुत ज्यादा संवेदनशील हेती है। शिशु के निप्पल से दूध खींचने की वजह से निप्पल सख्त हो सकते हैं।

बॉडी ऑटोनोमी

स्तनपान के जरिए मां और शिशु के बीच गहरा संबंध बनता है। लेकिन स्तनपान की वजह से महिलाओं के शरीर या स्तनों की बनावट खराब हो सकती है। इसका असर महिलाओं की सेक्स लाइफ, बॉडी इमेज और आत्म सम्मान में भी कमी आती है। ब्रेस्ट मिल्क पंप करने में भी कुछ महिलाओं को असहज महसूस हो सकता है।

कब तक करवाना चाहिए स्तनपान

अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुसार, शिशु को दूध पिलाने की कोई समय सीमा नहीं है।

इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि ज्यादा समय तक दूध पिलाना नुकसानदायक होता है या नहीं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स का मानना है कि शिशु के जन्म के बाद पहले छह महीने दूध पिलाना जरूरी होता है। इसके बाद आप दूध के साथ उसे ठोस आहार, जूस देना शुरू कर सकती हैं।

प्रेगनेंसी में ऑलिव ऑयल खाने से तेज होता है शिशु का दिमाग

प्रेगनेंट होने पर महिलाओं को अपने खानपान और त्वचा की देखभाल को लेकर बहुत सावधान रहना पड़ताहै। इस समय हेल्दी डायट उनके जीवन का अहम हिस्सा होता है। कई महिलाएं नारियल तेल, ऑलिव ऑयल और अन्य नैचुरल ऑयल का इस्तेमाल खाने में करती हैं।

आपको बता दें कि प्रेगनेंसी में जैतून के तेल का इस्तेमाल करना बहुत फायदेमंद होता है और गर्भावस्था ही नहीं बल्कि इसके बाद भी ऑलिव ऑयल खाने से लाभ होता है।

प्रेगनेंसी में ऑलिव ऑयल लेना सुरक्षित है

प्रेगनेंट महिला के आहार में ऑलिव ऑयल को शामिल करना बिल्कुल सुरक्षित होता है। गर्भवती महिला को इसके कई लाभ मिलते हैं और गर्भस्थ शिशु को भी इससे फायदा मिलता है। ऑलिव ऑयल डायट्री फाइबर, मोनोअनसैचुरेटेड फैट, विटामिन ई और आयरन प्रचुर मात्रा में होता है।

प्रेगनेंसी में जैतून के तेल का इस्तेमाल कैसे करें

आप प्रेगनेंसी में ऑलिव ऑयल में खाना पकाकर खा भी सकती हैं और इसे स्किन पर लगा भी सकती हैं। पेट पर ऑलिव ऑयल लगाने से स्ट्रेच मार्क्स नहीं होते और बाल झड़ने की समस्या भी दूर होती है।

दिन में दो बार एक चम्मच ऑलिव ऑयल से हल्के हाथों से पेट की मालिश करें। बालों को धोने से दो घंटे पहले जैतून के तेल से सिर की मालिश करें। आपको सप्ताह में तीन बार इस तेल से मालिश करनी है।

भोजन के लिए आप सब्जी ऑलिव ऑयल में पकाकर खा सकती हैं। ये गर्भवती महिलाओं को कार्डियोवस्कुलर रोगों से बचाता है और भ्रूण के मस्तिष्क एवं आंखों के विकास में मदद करता है।

ऑलिव ऑयल खाने के फायदे

प्रेगनेंसी में ऑलिव ऑयल खाने से मां और बच्चे को कई तरह के लाभ मिलते हैं, जैसे कि :

*भ्रूण का विकास : ऑलिव ऑयल में प्रचुर मात्रा में ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है जो कि शिशु के दिल के लिए बहुत फायदेमंद होता है। ऐसा देखा गया है कि प्रेगनेंसी में ऑलिव ऑयल खाने से शिशु के मस्तिष्क के विकास में सुधार आता है और बच्चे की सीखने की क्षमता भी बढ़ती है।

*स्ट्रेच मार्क्स : प्रेगनेंसी में स्ट्रेच मार्क्स होना आम बात है। शिशु के बढ़ने के साथ पेल्विक हिस्से और पेट की मांसपेशियां खिंचने लगती हैं जिससे स्ट्रेच मार्क्स आते हैं। रोज ऑलिव ऑयल लगाने से प्रेगनेंसी में स्ट्रेच मार्क्स होने से बचा जा सकता है और इन्हें ठीक भी किया जा सकता है।

*विटामिन ई :ऑलिव ऑयल में प्रचुरता में विटामिन-ई होता है जो कि प्रेगनेंट महिला के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। विटामिन-ई शिशु के विकास को बढ़ावा देता है और ऑक्सीजन युक्त वातावरण में सांस लेने के लिए तैयार करता है। जन्म के बाद स्तनपान के जरिए यह शिशु के शरीर में प्रवेश करता है। इससे खासतौर पर प्रीमैच्योर शिशुओं की किडनी और पैंक्रियाज को ठीक तरह से काम करने में मदद मिलती है।

*रिफलेक्सेस में मदद : कई रिसर्चों में सामने आया है कि जिन महिलाओं ने प्रेगनेंसी के दौरान ऑलिव ऑयल का सेवन किया था, उनके रिफलेक्सस बाकी बच्चों की तुलना में बेहतर थे। इन बच्चों में साइकोमोटर रिफलेक्सेस बेहतर थे।

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी।

एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर मैं लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है।

सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा – आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी।

मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीव्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

डिस्पोजेबल कप में पानी, चाय या कॉफी पीना है खतरनाक

आजकल जमाना बदल गया है। अब स्टील या कांच की गिलास या बर्तन की जगह डिस्पोजेबल कप ने ले ली है। अब पानी, चाय, कॉफी या कोई भी ड्रिंक्स पीने में डिस्पोजेबल कप का ही इस्तेमाल हो रहा है। ऑफिस से लेकर बड़े रेस्टोरेंट तक इन्हीं कप का उपयोग हो रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि डिस्पोजेबल कप सेहत को प्रभावित कर सकती है। चलिए जानते हैं इससे होने वाले नुकसान और डॉक्टर की सलाह।।।

डॉक्टरों का कहना है कि डिस्पोजेबल कप प्लास्टिक और केमिकल का इस्तेमाल कर बनाया जाता है। अगर लंबे समय तक इसका यूज कर रहे हैं तो ये कैंसर का कारण बन सकता है। डॉक्टरों ने बताया, डिस्पोजेबल कप में बिसफेनोल और बीपीए जैसे केमिकल पाए जाते हैं। जो काफी खतरनाक केमिकल हैं। जब इन कप में चाय या गर्म पानी पीते हैं तो इसमें मौजूद केमिकल इनमें घुल जाते हैं और ये केमिकल पेट तक पहुंच जाते हैं, जिससे कैंसर का जन्म हो सकता है।

डॉक्टर के मुताबिक, डिस्पोजेबल कप बनाने में केमिकल ही नहीं माइक्रोप्लास्टिक का इस्तेमाल भी होता है। जिससे थायराइड जैसी खतरनाक बीमारी हो सकती हैं। काफी लंबे समय तक इनके इस्तेमाल से कैंसर भी हो सकता है। शराब या स्मोकिंग करने वालों में डिस्पोजेबल कप के इस्तेमाल से कैंसर का खतरा काफी जल्दी हो सकता है। इसलिए डिस्बोजेबल कप के इस्तेमाल से हमेशा बचने की कोशिश करनी चाहिए।

डॉक्टर बताते हैं कि चाय, कॉफी या पानी पीने के लिए प्लास्टिक या पेपर के इस्तेमाल से बचना चाहिए। इसकी जगह स्टील का बर्तन या कुल्हड़ का इस्तेमाल करना चाहिए। कुल्हड में चाय पीने के कई फायदे भी होते हैं। इससे पेपर और प्लास्टिक का इस्तेमाल भी कम होता है। मिट्टी के कुल्हड़ में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो हड्डियों के लिए फायदेमंद होता है। इसलिए डिस्पोजेबल कप की बजाय कुल्हड़ या स्टील के बर्तन का इस्तेमाल कर सकते हैं। (आरएनएस)

क्या टूथपेस्ट और शैंपू से बढ़ रहा कैंसर का खतरा, जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

आज कैंसर पूरी दुनिया के लिए चुनौती बना हुआ है। हर साल बड़ी संख्या में लोग कैंसर की चपेट में आ रहे हैं। इसके एक नहीं कई कारण हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में साल 2022 में कैंसर के 1416 लाख केस थे, जो 2025 तक बढ़कर 1517 लाख हो सकते हैं। कैंसर एक जानलेवा बीमारी है। यह कितना खतरनाक है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले साल ही करीब 8 लाख लोगों की मौत कैंसर से हो गई थी। ये आंकड़ा साल दर साल बढ़ते ही जा रहे हैं। कैंसर का मुख्य कारण खराब खानपान, वायु प्रदूषण और फिजिकल एक्टिविटी का कम होना है। हर दिन हम कई ऐसे काम करते हैं, जो कैंसर को बढ़ावा दे सकते हैं। इन्हीं में से एक है टूथपेस्ट और शैंपू का इस्तेमाल। माना जा रहा है कि दोनों प्रोडक्ट्स को यूज करने से कैंसर बढ़ सकता है। आइए जानते हैं क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स।।।

क्या टूथपेस्ट से कैंसर फैल रहा है

अब सबसे बड़ा सवाल कि क्या सुबह-शाम जो टूथपेस्ट हम कर रहे हैं, उससे कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। टोरंटो यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च में बताया गया है कि टूथपेस्ट में ट्राइक्लोसन कंपाउंड पाया जाता है, जिससे कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। ये ऐसा प्रोडक्ट है जो शरीर में कैंसर फैलाने वाले फैक्टर को एक्टिव कर देता है। कई टूथपेस् में ट्राइस्कोसन काफी ज्यादा पाया जाता है, जो कैंसर का कारण बन सकता है। कैंसर रोग विशेषज्ञ बताते हैं कि टूथपेस्ट में पाया जाने वाला ट्राइस्कोसन आंतों के गुड बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचा सकता है। जिससे आंतों का कैंसर फैल सकता है। इसलिए टूथपेस्ट का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

क्या शैंपू भी कैंसर का कारण

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ड्राई शैंपू का कारण बन सकता है। ड्राई शैंपू में बेंजीन नाम का केमिकल पाया जाता है, जो शैंपू इस्तेमाल के दौरान केमिकल शरीर में चला जाता है और ब्लड कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है। यही कारण है कि कुछ महीने पहले ही एफडीए ने अमेरिका के बाजारों से कई ब्रांड के ड्राई शैंपू पर बैन लगा दिया गया। ये ऐसे शैंपू थे, जिनमें बेंजीन ज्यादा पाई गई थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ड्राई शैंपू यूज करने के दौरान बालों को गीला करना पड़ता है। ये स्प्रे की तरह होता है। इसमें बेंजिन ज्यादा पाया जाता है, जिससे ये कैंसर का कारण बन सकता है। इसलिए सावधानी पूर्वक ही इसका इस्तेमाल करना चाहिए। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

लीवर को प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स करने के लिए आजमाएं ये 5 असरदार घरेलू नुस्खे

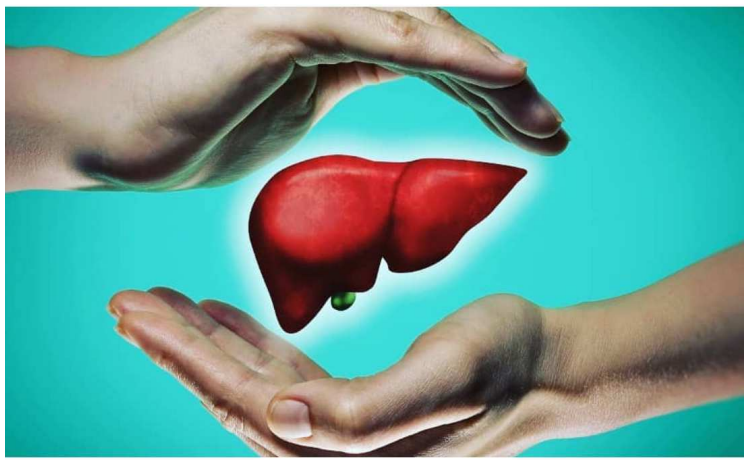

लिवर कुछ प्रोटीन, कोलेस्ट्रॉल और हार्मोन सहित कई महत्वपूर्ण चीजें बनाता है, जो शरीर के लिए आवश्यक हैं।आजकल बाजार में लिवर डिटॉक्स के नाम पर कई चीजें आ गई हैं, लेकिन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की कई स्टडीज में कहा गया है कि इनसे लिवर को कोई खास फायदा नहीं होता है।ऐसे में आइए आज हम आपको 5 ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिन्हें अपनाकर लीवर को प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स किया जा सकता है।

ग्रीन टी पीएं

ग्रीन टी में कैटेचिन की अच्छी मात्रा होती है, जो लीवर को कई संक्रमणों से बचाने में मदद करती है।इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट इस अंग की डिटॉक्स प्रक्रिया को बढ़ावा देते हैं, जिससे मुक्त कणों के कारण होने वाले संभावित खतरों को खत्म किया जा सकता है।लीवर की कार्यक्षमता को मजबूत करने के लिए रोजाना 1 या 2 कप ग्रीन टी का सेवन करें।यहां जानिए ग्रीन टी से मिलने वाले लाभ।

हल्दी का करें उपयोग

हल्दी एक बेहतरीन घरेलू मसाला है, जो लीवर को स्वस्थ रखने में मदद कर सकती है।विशेषज्ञों का मानना है कि रोजाना गर्म हल्दी वाला दूध पीने से लीवर को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है और इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट पित्त उत्पादन में सहायता करते हैं, जो वसा का निर्माण को रोकते हैं।आप चाहें तो सुबह के समय एक गिलास गर्म पानी में आधा चम्मच हल्दी और एक चुटकी काली मिर्च मिलाकर उसका सेवन भी कर सकते हैं।

डाइट में शामिल करें ताजे फल और सब्जियां

लीवर स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि डाइट में 40 प्रतिशत तक ताजे फल और सब्जियां शामिल करना लीवर के लिए लाभदायक है।ये एंजाइमों से भरपूर होते है, जो पाचन में मदद करते हैं और विषाक्त पदार्थों को निकालने के लिए लीवर की क्षमता को बढ़ाते हैं।सबसे ज्यादा पालक, पत्तागोभी और खट्टे फल खाना लीवर के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

गाजर, चुकंदर और पालक के जूस का करें सेवन

गाजर, चुकंदर और पालक प्राकृतिक रूप से लीवर क्लींजर हैं।गाजर बीटा-कैरोटीन से युक्त होती है, जो विटामिन-ए में परिवर्तित हो जाता है और लीवर के स्वास्थ्य में सुधार करता है।चुकंदर विषाक्त पदार्थों को तोड़ता है और लीवर को स्वस्थ बनाता है, जबकि पालक विषाक्त पदार्थों को हटाकर और इसकी समग्र क्षमता को बढ़ाकर लीवर को साफ करने के लिए पित्त उत्पादन को प्रोत्साहित करता है।ऐसे में तीनों सब्जियों का जूस बनाकर पीना लाभदायक है।

आंवला भी है प्रभावी

आंवला लीवर की प्रभावी रूप से कार्य में सहायता करता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है।कई अध्ययनों के मुताबिक, यह हाइपरलिपिडेमिया (बहुत अधिक वसा) और मेटाबोलिक सिंड्रोम को भी कम करता है।इसके अतिरिक्त यह गुण फैटी लीवर से भी बचाता है, इसलिए आंवला इस स्थिति से जूझ रहे लोगों के लिए सबसे बेहतरीन है।आप अपने लीवर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए रोजाना आंवले का जूस पी सकते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -016

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

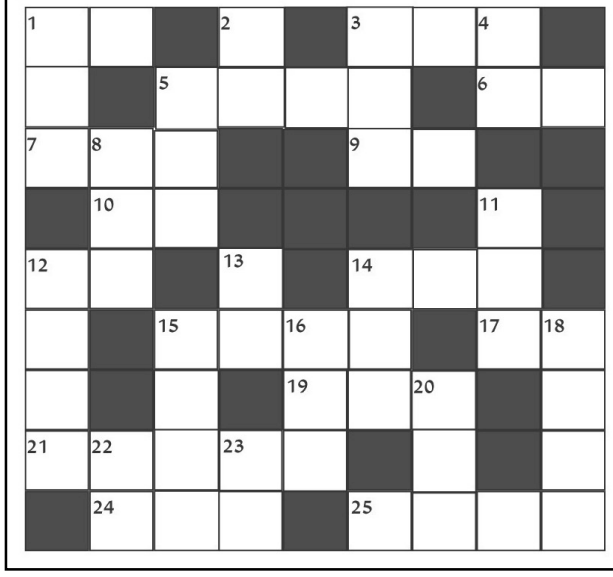

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 15 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

विजय देवरकोंडा और सामंथा रुथ प्रभु की केमिस्ट्री ने जीता दिल

विजय देवरकोंडा और सामंथा रुथ प्रभु स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म कुशी का ट्रेलर आखिरकार देश भर में रिलीज हो चुका है। हैदराबाद में हुए एक भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान फिल्म की कास्ट, क्रू और मीडिया की उपस्थिति के बीच ट्रेलर की झलक दिखाई गई। कुशी की खूबसूरत दुनिया के लोग दीवाने हो गए।

फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को आराध्या और विप्लव की दिल छू लेने वाली दुनिया में ले जाता है, जो रोमांस की एक रिलेटेबल लेकिन खूबसूरत दुनिया बनाते हैं और सभी को अपने प्यार के सफर में ले जाते हैं। हालांकि जिंदगी की तरह इस सफर में भी उतार-चढ़ाव, संघर्ष और कुछ खट्टे-मीठे पल शामिल हैं। ट्रेलर में विजय और सामंथा की जबरदस्त केमिस्ट्री दर्शकों को इतना भा जाएगी कि उन्हें इस जोड़ी से प्यार होने में जरा भी वक्त नही लगेगा।

ये ट्रेलर ह्यूमर, आकर्षक म्यूजिक और खूबसूरत विजुअल्स के साथ इंटेंस इमोशन्स का एक आदर्श कॉम्बिनेशन है। इसमें बेहद टैलेंटेड सपोर्टिंग कास्ट में मुरली शर्मा और सचिन खेडेकर जैसे नाम भी नजर आए हैं। कुशी का म्यूजिक पहले ही चार्ट्स में टॉप पर है और प्यार में विश्वास करने वाले हर व्यक्ति की प्लेलिस्ट का हिस्सा बना हुआ है। शिव निर्वाण द्वारा लिखित और निर्देशित और माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म 1 सितंबर को सिनेमाघरों में दिलों को खुश करने और प्यार का जश्न मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। ट्रेलर देखने के बाद फिल्म काफी एक्साइटेड हो गए हैं।

फिल्म गुंटूर कारम से सामने आया महेश बाबू का लुक

साउथ के जाने-माने एक्टर महेश बाबू अपने 54वां जन्मदिन के मौके पर महेश बाबू के फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई देते हुए दिखाई दिए। साथ ही साथ एक्टर से जुड़ी यादों को शेयर करते हुए नजर आए। लेकिन इन सब के बीच महेश बाबू के जन्मदिन पर उनकी अपकमिंग फिल्म गुंटूर कारम से उनका लुक सामने आ गया है। फिल्म गुंटूर कारम का ने नया पोस्टर आते ही सोशल मीडिया पर छा गया। महेश बाबू के फैंस इस पोस्टर को खूब शेयर करते दिखाई दिए। तो चलिए देखते है फिल्म गुंटूर कारम के नए पोस्टर में क्या खास है।

महेश बाबू 54 साल के हो गए हैं। महेश बाबू अलग-अलग वजह से सोशल मीडिया पर चर्चा में बने रहते हैं। लेकिन दिनों महेश बाबू फिल्म गुंटूर कारम को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म गुंटूर कारम से महेश बाबू का लुक सामने आ गया है। महेश बाबू के जन्मदिन पर गुंटूर कारम फिल्म का नया पोस्टर रिलीज हुआ है। फिल्म के इस पोस्टर में महेश बाबू शर्ट और लुंगी पहने बैठे दिखाई दिए। महेश बाबू का ये लुक आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। महेश बाबू के इस लुक को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। तो चलिए बिना देर किए देखते है फिल्म गुंटूर कारम से सामने आया महेश बाबू का लुक। महेश बाबू की लीड रोल वाली फिल्म गुंटूर कारम के इस पोस्टर के साथ-साथ रिलीज डेट भी सामने आ गई है। महेश बाबू की ये फिल्म 12 जनवरी 2024 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में मेहश बाबू के साथ श्रीलीला और मीनाक्षी चौधरी भी अहम रोल है। फिल्म से सामने आए महेश बाबू के लुक को लेकर आपकी क्या राय है, कमेंट कर के हमें जरूर बताएं।

आयुष्मान खुराना की ड्रीम गर्ल 2 का फनी पोस्टर रिलीज

आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे ने पहली बार ड्रीम गर्ल 2 पर एक साथ काम करने के लिए हाथ मिलाया है। खबर की घोषणा के बाद से वे सुर्खियां बटोर रहे हैं क्योंकि दर्शक उन्हें स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म 2019 की रोमांटिक कॉमेडी ड्रीम गर्ल का सीक्वल है, जिसमें आयुष्मान और नुसरत भरुचा ने अभिनय किया था। फिल्म के टीजर और ट्रेलर के बाद आज मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है।

आगामी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 का लेटेस्ट पोस्टर आज निर्माताओं द्वारा रिलीज किया गया। कुछ मिनट पहले, आयुष्मान खुराना ने एक अनोखा पोस्टर जारी किया था जिसमें वह पूजा के रूप में नजर आ रहे हैं। वह पिंक लहंगा पहने, ब्राउन कलर के विग में पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। फिल्म में पूजा के प्रेमी, जिसमें अभिनेता राजपाल यादव भी शामिल हैं, उनके लहंगे से बाहर झांकते नजर आ रहे हैं। परेश रावल लहंगे का दूसरा सिरा पकड़े हुए नजर आ रहे हैं और बैकग्राउंड में अन्नू कपूर स्तब्ध दिख रहे हैं। पोस्टर अपलोड करते हुए आयुष्मान ने लिखा, पूजाट्ठ ड्रीमगर्ल एक त्यौहार है, उसके आशिक हज़ार है! ड्रीमगर्ल2ट्रेलर अभी रिलीज! 25अगस्तहोगामस्त स ड्रीमगर्ल2, 25 अगस्त को सिनेमाघरों में।1 अगस्त को इस अवेटेड फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया। फिल्म करम के इर्द-गिर्द घूमती है जो महिला आवाज में गाने की अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए पूजा बन जाता है। आयुष्मान अनोखी पंचलाइन और विचित्रता के साथ किरदार में जान डाल देते हैं। दूसरी ओर, उन्हें फिल्म में अनन्या पांडे के किरदार से प्यार हो जाता है, जिसके पिता उसकी शादी करके एक अच्छी जिंदगी जीना चाहते हैं। दिलचस्प और मज़ेदार चुनौतियों से लेकर मुसीबत में फँसने तक, ट्रेलर एक मज़ेदार सवारी का वादा करता है।

बिग बॉस सीजन 17 में नजर आ सकती है ऐश्वर्या शर्मा

टेलीविज़न के चर्चित सीरियल गुम है किसी के प्यार में की पाखी यानि अभिनेत्री ऐश्वर्या शर्मा रियलिटी टेलीविज़न शो बिग बॉस सीजन 17 में दिखाई दे सकती हैं। स्वयं बिग बॉस ने ऐश्वर्या को शो का हिस्सा बनने का ऑफर दिया है। बता दें कि ऐश्वर्या शर्मा ने गुम है किसी के प्यार में सीरियल छोड़ा था क्योंकि वह कुछ नया और चैलेंजिंग आजमाना चाहती थीं। शो छोड़ने के बाद अभी ऐश्वर्या रियलिटी स्टंट शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं।

शो के एक ताजा प्रोमो में टेलीविज़न सीरियल खतरों के खिलाड़ी के प्रतियोगियों को बिग बॉस के साथ बातचीत करते देखा जा सकता है। प्रोमो वीडियो में देखा जा सकता है कि अर्चना बिग बॉस से पूछती हैं कि क्या आपने मुझे मिस किया? जवाब में बिग बॉस बोलते हैं- शट अप अर्चना। बिग बॉस ऐश्वर्या से अर्चना की मिमिक्री करने को बोलते हैं और वह बड़ी शानदार एक्टिंग करती हैं।

ऐश्वर्या का अभिनत देखने के बाद बिग बॉस ने उनसे कहा, यह टैलेंट तो सौ सवा सौ कैमरों के सामने दिखना चाहिए। हमारे दरवाजे आपके लिए जरूर खुले हुए हैं। बिग बॉस का यह ऑफर सुनकर ऐश्वर्या का रिएक्शन देखने लायक था। हालांकि उन्होंने बिग बॉस को कोई त्वरित प्रतिक्रिया नहीं दी। अब यदि ऐश्वर्या यह ऑफर स्वीकार करती हैं, तो जाहिर तौर पर दर्शक उन्हें सीजन 17 में देख पाएंगे। बता दें कि रियलिटी टीवी शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 ऐश्वर्या की परफॉर्मेंस बहुत बेहतरीन रही है तथा वह लगभग हर स्टंट का सामना पूरी हिम्मत और सब्र के साथ कर रही हैं। कई बार शो के होस्ट रोहित शेट्टी स्वयं ऐश्वर्या की प्रशंसा कर चुके हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म हड्डी जी5 पर होगी रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की हड्डी साल 2023 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसमें वह एक किन्नर के किरदार में नजर आएंगे। निर्माताओं ने फिल्म हड्डी का नया पोस्टर साझा किया है, जिसमें उन्हें पहचान पाना काफी मुश्किल हो रहा है। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।इस फिल्म का निर्देशन अक्षत अजय शर्मा द्वारा किया जा रहा है।

जी5 ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर फिल्म हड्डी का नया पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, ड्रमरोल। 2023 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए तैयार हो जाइए। हड्डी जल्द ही जी5 पर आ रही है।जी स्टूडियोज के साथ मिलकर आनंदिता स्टूडियोज ने हड्डी का निर्माण किया है।हड्डी एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसमें नवाज ने एक नहीं बल्कि कई अलग-अलग किरदार निभाए हैं, लेकिन हड्डी उनका एक अनोखा और खास किरदार होगा।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी का नाम इंडस्ट्री के वर्सेटाइल एक्टर की सूची में शामिल है। जब से उनकी फिल्म 'हड्डी' का अनाउंसमेंट हुआ था, तभी से फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब फिल्म को लेकर एक बड़ा खुलासा किया गया है। इस फिल्म का एक पोस्टर रिलीज करते हुए मेकर्स ने कहा है कि यह फिल्म बड़े पर्दे पर नहीं बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज की जाएगी।

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी पिछले काफी लंबे समय से अपनी अपकमिंग फिल्म 'हड्डी' को लेकर काफी चर्चा में रहे हैं। इस फिल्म में नवाजुद्दीन एक किन्नर का किरदार नजर आएंगे। नवाजुद्दीन सिद्दीकी स्टारर और अक्षत अजय शर्मा के डायरेक्शन में बनी अपकमिंग रिवेंज ड्रामा मूवी में 'हड्डी' बदले और शक्ति की दुनिया से रूबरू कराती है। नवाजुद्दीन ने इसमे दमदार एक्टिंग की है। इस क्राइम ड्रामा में दो अलग-अलग किरदारों में नजर आएगे।

शाहिद कपूर एक्शन-कॉमेडी फिल्म में दोहरी भूमिका में दिखेंगे

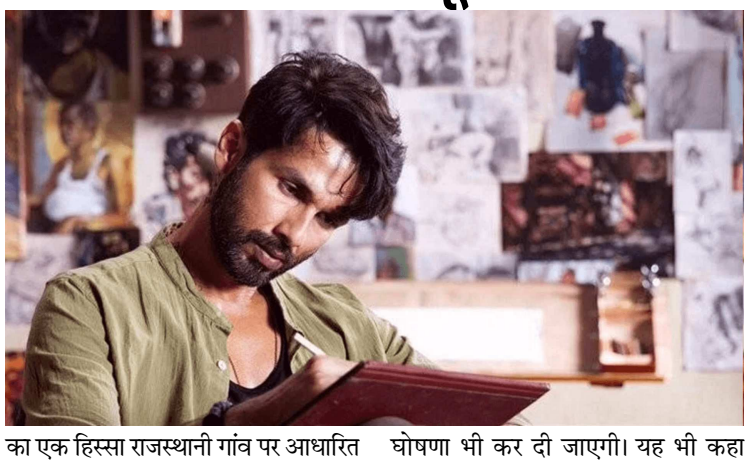

शाहिद कपूर के अनीस बज्मी की एक्शन-कॉमेडी का हिस्सा बनने की खबरें काफी समय से सामने आ रही थीं। कहा जा रहा था कि फिल्म में शाहिद रश्मिका मंदाना के साथ नजर आएंगे तो अगले महीने से इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी। यह फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन में है, जिसके लिए निर्देशक एक ऐसे नाम की तलाश में थे जो इसकी कहानी के लिए एकदम सही हो। अब खबर आ रही है कि निर्देशक को इसका नाम मिल गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, शाहिद और अनीस को आखिरकार अपनी पसंद का एक शीर्षक मिल गया है। सूत्र बताते हैं कि उनकी इस फिल्म को एक साथ दो दो नाम दिया गया है। सूत्र के मुताबिक, अनीस ने यह नाम फिल्म में शाहिद की दोहरी भूमिका को दर्शाने के लिए तय किया है। इस नाम को 1.7.22 के रूप में भी पढ़ा जा सकता है। कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी में तारीख का बहुत महत्व होगा।

फिल्म की शूटिंग अगस्त के पहले हफ्ते में एक राजस्थानी हवेली होगी, जिसके लिए विशेष रूप से एक सेट डिजाइन किया गया है। कहा जा रहा है कि इस शेड्यूल में अभिनेता के कुछ इमोशनल सीन्स को फिल्माया जाना है। सूत्र के अनुसार, फिल्म का एक हिस्सा राजस्थानी गांव पर आधारित है इसलिए मानसून के बाद टीम राजस्थान शूटिंग के लिए जाएगी। इसके अलावा रश्मिका फिल्म के दूसरे शेड्यूल के बाद यूनिट में शामिल होंगी।

अनीस की फिल्म से पहले शाहिद ने विशाल भारद्वाज की कमीने में दोहरी भूमिका निभाई थी। 2009 में आई इस फिल्म में शाहिद दो जुड़वा भाई चार्ली और गुड्डू के रूप में नजर आए थे। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा भी शामिल थीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहिद और रश्मिका के अलावा एक बड़ा कलाकार भी अनीस की इस एक्शन-कॉमेडी एक साथ दो दो का हिस्सा होगा। सूत्र के मुताबिक, जल्द ही नए कलाकार की घोषणा भी कर दी जाएगी। यह भी कहा जा रहा है कि फिल्म के निर्माता दिल राजू होंगे और यह अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हालांकि, अभी इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

शाहिद को हाल ही में ब्लडी डैडी में देखा गया था, तो अब वह दिनेश विजान की एक लव स्टोरी में नजर आने वाले हैं। फिल्म में शाहिद की जोड़ी कृति सैनन के साथ बनी हैं तो धर्मेंद्र और डिंपल कपाडिया भी इसका हिस्सा हैं। जियो स्टूडियो के सहयोग से बनी यह फिल्म 7 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके अलावा रश्मिका पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन के साथ और एनिमल में रणबीर कपूर के साथ दिखाई देंगी।

सरकार मजबूर है, समाजवादी नहीं!

अजीत द्विवेदी

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर और टैबलेट के आयात को सीमित करने के लिए एक नीति की घोषणा की है। पहले कहा गया था कि आयात को सीमित करने वाली यह नीति तत्काल लागू होगी लेकिन 24 घंटे के अंदर इसे लेकर ऐसी हायतौबा मची की सरकार ने इसे तीन महीने के लिए टाल दिया। अब यह नीति एक नवंबर से लागू होगी। इस नीति में सरकार ने सिर्फ इतना कहा है कि लैपटॉप, कंप्यूटर और टैबलेट के आयात के लिए कंपनियों को लाइसेंस लेना होगा। इसका यह कतई मतलब नहीं है कि अब विदेश में बने उत्पाद भारत में नहीं बिकेंगे। इसका सिर्फ इतना मतलब है कि जैसे पहले एप्पल, सैमसंग, डेल जैसी कंपनियां जो विदेश में अपने उत्पाद बनाती थीं और भारत में लाकर बेच देती थीं वैसे नहीं बेच पाएंगी। पहले उन्हें सिर्फ आयात शुल्क चुकाना होता था और अपने उत्पाद बेचने की छूट थी। अब उन्हें इसके लिए लाइसेंस यानी सरकार से मंजूरी लेनी होगी।

सरकार कारोबार सुगमता रेटिंग में चाहे कितनी भी ऊपर चली जाए लेकिन सबको पता है कि उससे किसी कारोबार की मंजूरी या लाइसेंस लेना कितना मुश्किल होता है। तभी जैसे ही सरकार ने इस बारे में नोटिस जारी किया वैसे ही इसका विरोध शुरू हो गया और इसे पुरानी समाजवादी अर्थव्यवस्था की और लौटने का कदम बताया जाने लगा। इसमें दिलचस्प बात यह है कि सरकार के विरोधियों ने भी अपने तर्क से इस नीति की मुखालफत की तो सरकार के समर्थकों ने अपने तर्कों से इसका विरोध किया। किसी ने समाजवादी नीतियों की वापसी बताई तो किसी ने कोटा परमिट राज का लौटना बताया। इससे कुछ दिन पहले ही केंद्र सरकार ने गैर बासमती चावल के निर्यात पर भी पाबंदी लगाई थी। उसके साथ ही इस नीति को मिला कर देखा गया और यह प्रमाणित किया गया कि सरकार पुराने रास्ते पर लौट रही है। लेकिन हकीकत यह है कि सरकार समाजवादी नहीं हुई है। ज्यादा से ज्यादा उसे संरक्षणवादी कह सकते हैं। इस तरह की नीतियां अमेरिका से लेकर यूरोप तक के देश समय समय पर आजमाते रहे हैं।

बहरहाल, पुराना रास्ता या मिश्रित अर्थव्यवस्था का रास्ता वह है, जिस पर आजादी के बाद भारत चला था। आजादी के बाद 45 साल तक भारत में कोटा, परमिट, लाइसेंस राज था। हर काम के लिए सरकार से अनुमति लेनी होती थी। नरसिंह राव की सरकार ने 1992 में इस व्यवस्था को बदला था। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को कई तरह के बंधनों से मुक्त कर दिया था। हालांकि तब यह बहस होती रही थी कि देश इसके लिए तैयार है या नहीं? इसमें कोई संदेह नहीं है कि उस समय भारत और भारत के निजी कारोबारी विदेशी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार नहीं थे। इसके बावजूद आजादी के 45 साल की बदली हुई स्थितियों में भारत की आर्थिक नीतियों में बदलाव जरूरी था, जो हुआ। दूसरा और तात्कालिक कारण यह था कि 1991 के आर्थिक संकट के बाद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार खाली था, जिसे भरने के लिए जरूरी था कि बाहर से डॉलर आए। नरसिंह राव की नीतियों से बदलाव भी हुआ और डॉलर भी आया। उसके बाद से कभी भी भारत का विदेशी मुद्रा भंडार खाली नहीं हुआ है।

उसके बाद से अब तक भारत की सरकारें उसी रास्ते पर चलती रही हैं। लेकिन केंद्र सरकार के हाल के दो फैसलों, गैर बासमती चावल का निर्यात रोकने और लैपटॉप के आयात को सीमित करने के बाद सरकार की इस बात के लिए आलोचना हो रही है कि वह समाजवादी नीतियां या कोटा, परमिट लाइसेंस राज की नीतियां वापस ला रही है। सरकार की इस आलोचना में असल कारण आर्थिक या सरकार से नाराजगी नहीं है, बल्कि समाजवादी नीतियों से चिढ़ है। ध्यान रहे पिछले तीन-चार दशकों में दुनिया में उदार लोकतंत्र और सार्वभौमिक पूंजीवाद की नीतियों को सर्वश्रेष्ठ मानने का चलन बढ़ा है। यह माना जाता है कि दुनिया के लिए सबसे अच्छा रास्ता यही है। चूंकि इस रास्ते के लिए वैचारिक स्तर पर चुनौती सिर्फ समाजवाद की नीतियों से है, जिसका मूल तत्व है कि, 'नहीं किसी को बहुत अधिक हो नहीं किसी को कम हो'। हैरानी की बात है कि जिन लोगों को देश और दुनिया में बढ़ती आर्थिक विषमता से परेशानी है उनको भी समाजवादी नीतियों से चिढ़ है! हालांकि यहां यह स्पष्ट कर देना जरूरी है कि सरकार की नीतियों का समाजवाद से कोई लेना-देना नहीं है। उसकी दूसरी मजबूरियां हैं, जिसकी वजह से ऐसे फैसले हुए हैं।

असल में कोरोना वायरस की महामारी फैलने के बाद जब इलेक्ट्रोनिक्स सामानों की कमी हुई तो सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ट इनसेंटिव यानी पीएलआई स्कीम लागू की थी। इस योजना के तहत सरकार ने 14 अलग अलग सेक्टर की कंपनियों को सामान बना कर बेचने पर पांच साल तक के लिए सब्सिडी देने की घोषणा की थी। यह सब्सिडी सामान की कीमत के तीन से पांच फीसदी तक हो सकती थी। इसका फायदा भी हुआ। मिसाल के तौर पर मोबाइल हैंडसेट के निर्यात का जिक्र किया जा सकता है। भारत में इसका कोई निर्यात नहीं होता था लेकिन पिछले वित्त वर्ष में 9० हजार करोड़ का मोबाइल हैंडसेट भारत से निर्यात हुआ है, जिसमें आधा हिस्सा एप्पल के मोबाइल हैंडसेट का है।

हालांकि लैपटॉप और कंप्यूटर के मामले में सरकार की पीएलआई स्कीम सफल नहीं हुई। सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद एप्पल या दूसरी कंपनियां भारत में लैपटॉप या कंप्यूटर बनाने नहीं आईं। उलटे भारत सरकार की ओर से दी जाने वाली इनसेंटिव की राशि बढ़ती गई। सो, ऐसा लग रहा है कि सरकार ने लैपटॉप, कंप्यूटर और टैबलेट बनाने वाली कंपनियों को मजबूर करने के लिए यह कदम उठाया है। हो सकता है कि लाइसेंस राज की वजह से कंपनियां भारत में अपनी फैक्टरी लगाएं और उत्पादन शुरू करें। इससे भारत को दोहरा फायदा है। एक तो फैक्टरी लगने से रोजगार की संभावना बढ़ेगी और दूसरे भारत से निर्यात होने पर उसका फायदा अलग होगा। हालांकि यह भी संभव है कि कंपनियां फैक्टरी लगाने की बजाय लाइसेंस लेकर अपने उत्पाद को भारत में बेचती रहें। नवंबर के बाद ही इसका पता लगेगा कि इस नीति का कितना असर होगा।

लेकिन पहली नजर में ऐसा लग रहा है कि सरकार कंपनियों को भारत में फैक्टरी लगाने के लिए मजबूर करने के वास्ते ऐसा कर रही हैं। इस नीति का फायदा घरेलू कंपनियों को मिल सकता है। एक चर्चा यह भी है कि रिलांयस इंडस्ट्रीज ने एक अगस्त को जियो बुक नाम से अपना लैपटॉप लॉन्च किया, जिसकी कीमत उसने 16 हजार रुपए रखी है। और उसके दो दिन बाद ही सरकार ने लैपटॉप के आयात पर पाबंदी लगा दी।

हालांकि इस बात का कोई पुख्ता सबूत नहीं है, जिससे यह प्रमाणित हो कि रिलायंस को फायदा पहुंचाने के लिए सरकार ने आयात को सीमित करने का कदम उठाया है। परंतु सरकार ने जिस तरह से अर्थव्यवस्था से जुड़ी इस नीति को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ा उससे संदेह जरूर पैदा होता है। बहरहाल, सरकार के इस फैसले के पीछे कई कारण दिख रहे हैं। आर्थिक, राजनीतिक, कूटनीतिक सब तरह के कारण हैं लेकिन उनका समाजवादी नीतियों से कोई लेना देना नहीं है।

सू- दोकू क्र.016

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.15 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

सरंक्षण या सरकार का शिकंजा ?

संदेह है कि प्रस्तावित डेटा संरक्षण कानून से नागरिकों के डेटा का संरक्षण तो नहीं होगा, उलटे सूचना का उनका कानूनी अधिकार जरूर सीमित हो जाएगा। आरटीआई के तहत अब तक मांगी जा सकने वाली कई सूचनाएं अब सार्वजनिक होने से बच जाएंगी।

केंद्र सरकार ने विपक्ष के विरोध के बीच लोकसभा में डेटा प्रोटेक्शन बिल को ध्वनि मत से पास करा लिया। राज्यसभा से भी यह बिल पास हो जाएगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन विधेयक को पारित कराते हुए सरकार ने विपक्ष और इस क्षेत्र के जानकारों की चिंताओं का निवारण करने की कोशिश नहीं की है। जबकि यह गंभीर आरोप लगाया गया है कि प्रस्तावित कानून से नागरिकों के डेटा का संरक्षण तो नहीं होगा, उलटे सूचना का उनका कानूनी अधिकार जरूर सीमित हो जाएगा। बिल में प्रावधान कर दिया गया है कि सरकारी पदाधिकारियों का डेटा को संरक्षित किया जाएगा। इस तरह आरटीआई के तहत अब तक मांगी जा सकने वाली कई सूचनाएं अब सार्वजनिक होने से बच जाएंगी। दूसरी तरफ बिल में केंद्र सरकार को कई तरह की छूट दी गई है। इसके तहत सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, व्यवस्था बनाए रखने जैसे मामलों में डेटा सुरक्षा के नियम पालन के लिए बाध्य नहीं होगी और लोगों की व्यक्तिगत जानकारियों का इस्तेमाल कर सकेगी। उधर ऑनलाइन कंपनियों की मुश्किल भी बढ़ेगी। बिल में कहा गया है कि अगर किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को डेटा सुरक्षा से जुड़े मामले में दो बार सजा सुनाई जाती है, तो इसके बाद सरकार उसे भारत में बैन करने पर भी विचार कर सकती है। डेटा सुरक्षा के उल्लंघन के मामलों में 2.5 अरब रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। प्रस्तावित कानून पत्रकारों के लिए भी नई चुनौतियां खड़ी करेगा। पत्रकार संगठनों का कहना है कि कई मौकों पर पत्रकारों को लोगों की व्यक्तिगत जानकारियां सार्वजनिक करनी पड़ती हैं। इस बिल के कानून बनने के बाद ऐसा करना जोखिम भरा हो जाएगा। पत्रकारों और मीडिया घरानों पर इस कानून के तहत कार्रवाई का खतरा मंडराता रहेगा। सरकार का दावा है कि यह कानून नागरिकों के डेटा को संरक्षित करने के लिए बनाया जा रहा है। मगर बिल के प्रावधानों से ऐसा भरोसा नहीं बंधा है। बेहतर होता कि सरकार सभी हित-धारकों की चिंताओं का निवारण करने के बाद यह बिल संसद में लाती। लेकिन आज के दौर में ऐसी अपेक्षा करना कुछ ज्यादा मांगने जैसा हो गया है।(आरएनएस)

व्हाइट बॉडीकॉन ड्रेस पहन पूजा हेगड़े ने इंटरनेट पर लगाई आग

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े आए दिन अपने फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस को अपने हुस्न का कायल करती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में एक बार फिर से उनकी स्टाइलिश अदाएं देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत एक्ट्रेस पूजा हेगड़े हमेशा अपनी बोल्ड और ग्लैमरस फोटोज इंटरनेट पर पोस्ट करती रहती हैं। एक्ट्रेस ने बेहद कम समय में लोगों के बीच अपनी एक खास पहचान बना ली है। अब हाल ही में एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में पूजा हेगड़े ने व्हाइट कलर की सिंगल स्लीवलेस ड्रेस पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही गॉर्जियस नजर आ रही हैं। साथ ही फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। ओपन कर्ली हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। पूजा हेगड़े सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी लंबी है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर जमकर लाइक करते हैं। (आरएनएस)

घर में घुस कर मार पीट करने के मामले में मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। घर में घुस कर मार पीट कर जान से मारने की धमकी देने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्तजानकारी के अनुसार फीट रोड निवासी सदाकत अली ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज लगभग रात्रि 9.30 बजे कुछ अज्ञात असमाजिक तत्व लगभग 30-35 लोगो द्वारा उनके निवासो पर घुसकर लाठी डठे तल्वारे पथरो से हमला किया गया। घर के गेट शतिगस्त कर दिए गाली गलोच के साथ घर को जलाने बात व धमकी देने लगे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजमार्ग पर काम करने वालों पर हमला, केस दर्ज

संवाददाता

देहरादून। राजमार्ग पर काम करने वालो पर हमला करने वालो के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मावाला निवासी अमित ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 19 अगस्त को 4.30 के लगभग राष्ट्रीय राजमार्ग 72 के निर्माण कार्य हेतू कार्य कर रहे क्रमियो पर सददाम तथा अन्य 10 व्यक्तियो द्वारा गाली गलोज एंव जान से मारने की धमकी दी गई, जिसके बाद अन्य आदमियो को इक्कठा करके राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में लोग कर्मिको को डन्डो एंव पत्थरो से पीटा गया और एक वाहन बोलोरो पर पत्थरो से मारा गया जिससे बोलोरो बाहन क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में घुसकर की हजारों की चोरी

संवाददाता

देहरादून। घर में घुस कर हजारों रुपये से भरा बैग चोरी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दूनियाँ मौहल्ला निवासी उज्जवल लोधी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि गत बीती रात उनके घर से 3 मोबाइल फोन एक पर्स जिसमे आधार कार्ड, पैनकार्ड ,पहचान पत्र, नकदी एवं किरायेदार के कमरे से बैग सभी सामान चोरी हुआ है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सैनिक कल्याण मंत्री ने दी शहीद लांस नायक दौलत सिंह मेहर को श्रद्धांजलि

देहरादून (कासं)। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून के विलासपुसर कांडली में लांस नायक दौलत सिंह मेहर के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मंत्री ने इस दुख की घड़ी में परिवार को ढांढस बंधाया और सत्वाना दी। सैनिक कल्याण मंत्री ने लांस नायक दौलत सिंह मेहर के आकस्मिक मृत्यु पर गहरा शौक भी प्रकट किया। मंत्री गणेश जोशी ने ईश्वर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों को इस गहरे आघात को सहने की कामना की। मंत्री ने परिवार जनों को सरकार की तरफ से हर संभव मदद का भरोसा भी दिलाया।

गौरतलब है कि लांस नायक दौलत सिंह मेहर 3/8 जीआर सिलोंग में तैनात थे और 04 अगस्त को देहरादून अपने घर छुट्टी आए थे। बीते 13 अगस्त को देहरादून में एक सड़क दुर्घटना में जवान दौलत सिंह मेहर बेहद गंभीर रूप में घायल हुए थे। जिसके बाद उन्हें देहरादून स्थित एमएच अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां रविवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। ज्ञात हो कि शहीद दौलत सिंह मेहर के पिता मोहन सिंह मेहर भी पूर्व सैनिक है।

इस अवसर पर पीटीआर शमशेर सिंह बिष्ट, ग्राम प्रधान लव कुमार तमांग, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल जीएस चंद सहित सैन्य अधिकारी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्मिक ऑनरशिप की भावना से कार्य करें: रतूडी

संवाददाता

देहरादून । अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी ने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप कार्मिक आनरशिप की भावना से कार्य करें ।

आज यहां अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने मुख्यमंत्री कार्यालय के कार्मिकों को पत्रावलियों के त्वरित निस्तारण तथा अनावश्यक आपत्तियां ना लगाने की कड़ी हिदायत दी है। एसीएसी श्रीमती रतूड़ी ने कार्मिकों से स्पष्ट कहा कि राज्य में ई ऑफिस व्यवस्था को सरकारी कामों के सरलीकरण व जन-समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए ही लागू किया गया है। अधि कारी-कार्मिक जनसामान्य की शिकायतों के निस्तारण के लिए नियमों के तहत सरल रास्ता निकालने का प्रयास करें न कि अनावश्यक आप्पतियां लगाये। उन्होंने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से जरूरतमंदों को दी जानी वाली आर्थिक सहायता डीबीटी की तरह सीधे एवं जल्द से जल्द लाभार्थियों को मिले इसके लिए आवेदन का एक स्टेडर्ड फोर्मट जल्द तैयार किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर

सचिवालय में मुख्यमंत्री कार्यालय के कार्मिकों की बैठक लेते हुए एसीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री कार्यालय पूरे प्रदेश में सबसे महत्वपूर्ण कार्यालय है। यह सभी कार्यालयों के लिए पथप्रर्दशक है। मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप कार्मिक ऑनरशिप की भावना से कार्य करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कड़े निर्देश हैं कि मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी व कार्मिकों की कार्यशैली पर किसी भी प्रकार का प्रश्नचिह्न नही लगना चाहिए। यहां पर कार्यरत अधिकारियों एवं कार्मिकों से सर्वोच्च निष्ठा की अपेक्षा की जाती है। कार्मिकों को संवेदनशीलता के साथ जनसामान्य से भी अच्छा व्यवहार बनाये रखना चाहिए व पूरी ईमानदारी से कार्य करना चाहिए। एसीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने सीएम कार्यालय के सभी अधिकारियों व कार्मिकों को उनके नाम से किए जा सकने वाले साइबर फ्रोर्ड से भी सर्तक रहने तथा किसी भी प्रकार के साइबर फ्रोर्ड की शिकायत एसएसपी (एसटीएफ) को करने की सलाह दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय में रिकॉर्ड कीपिंग की बेहतर व्यवस्था करने, पत्रावलियों के कुशल रखरखाव करने, वीडिंग के माध्यम से पुराने अनावश्यक सामान को हटाने, कार्यालयों में स्वच्छता रखने, आधुनिकतम कम्पयूटर हार्डवेयर व अन्य सामानों की व्यवस्था के भी निर्देश दिए। एसीएस श्रीमती रतूड़ी ने मुख्यमंत्री कार्यालय के समस्त छः अनुभागों के मध्य बेहतर कार्य आवंटन पर बल दिया। बैठक में सचिव एस एन पाण्डेय, अपर सचिव जगदीश काण्डपाल, ललित मोहन रयाल, मुकेश थपलियाल , मुख्यमंत्री कार्यालय के सभी छः अनुभागों के अनुभाग अधि कारी, समस्त समीक्षा अधिकारी, समस्त सहायक समीक्षा अधिकारी व अन्य कार्मिक उपस्थित थे।

मजदूर ने लगायी फांसी

संवाददाता

देहरादून । मजदूर ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना वसंत विहार को रात्रि में सीसीआर द्वारा सूचना दी कि ग्राम लक्ष्मीपुर में एक व्यक्ति द्वारा फांसी लगा ली गई है, जिस पर तत्काल प्रभारी निरीक्षक थाना बसंत विहार एवम हल्का प्रभारी स्वयं मौके पर गए तो पाया कि मृतक को पूर्व में ही उसके परिजन एवं चीता पुलिस संयुक्त चिकित्सालय प्रेमनगर ले आए है। मृतक का नाम खड़क सिंह पुत्र रामचंद्र, ग्राम लक्ष्मीपुर थाना वसंत विहार देहरादून है। मृतक द्वारा अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या की है। अड़ोस- पड़ोस द्वारा बताया कि मृतक दिहाड़ी मजदूरी का कार्य करता था। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून । पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया गया जहाँ से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने शनि देव मंदिर चंद्रेश्वर नगर के पास एक व्यक्ति को रोककर चेक किया गया तो उसके पास से कुल 8.50 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई तथा उसके पास से 10000 रूपए बरामद हुए। पूछताछ करने पर उसके द्वारा बताया गया यह रुपए उसने स्मैक बेचकर ही कमाए है । पूछताछ में उसने अपना नाम रघुनंदन पुत्र केदारनाथ निवासी ग्राम बड़ागांव, थाना मनिहारी, जिला बलिया, उत्तर प्रदेश

हाल निवासी न्यू त्रिवेणी कॉलोनी, ऋषिकेश, देहरादून बताया । पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया गया जहाँ से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया ।

गंगनानी बस दुर्घटना मे चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज: एसपी

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। गुजरात के तीर्थयात्रियों से भरी बस के गंगनानी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के मामले में पुलिस ने अब बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। हादसे में जहां सात लोगों की मौत हो गई है वही 28 लोग घायल हुए हैं।

विदित हो कि कल सायं करीब सवा चार बजे गुजरात के तीर्थ यात्रियों की बस गंगोत्री से वापस आते समय कोतवाली मनेरी क्षेत्रांतर्गत गंगनानी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गयी थी। हादसे मे 28 लोग घायल हो गये जबकि 7 लोगों की मौत हो गयी थी। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, वन विभाग, बीआरओ व कुछ स्थानीय लोगों द्वारा त्वरित रेस्क्यू कार्यवाही कर गोल्डन आवर्स के अन्दर

घायलों को अस्पताल पहुंचाकर जान बचाई गयी, पुलिस द्वारा रात में ही मृतकों के पंचायतनामा की कार्यवाही कर शवों को आज प्रातः जौलीग्रांट भेज दिया गया है। मामले में मजिस्ट्रेट जांच प्रचलित है, पीडितों के बयान के आधार पर चालक की गति तेज थी, जिससे वह वाहन को कंट्रोल नहीं कर पाया, वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

एसपी उत्तरकाशी द्वारा आज पुलिस कार्यालय में पत्रकार वार्ता मे बताया गया कि प्रथम दृष्टतया मामले में चालक तेजी व लापरवाही से वाहन चला रहा था। चालक मुकेश कुमार पुत्र फूलसिंह निवासी टिपरपुर सभावाला देहरादून के खिलाफ कोतवाली मनेरी में धारा 279,337, 338 व 304 (ए) भादवि के अंतर्गत नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

एक नजर

नहीं नीलाम होगा सनी देओल का बंगला

मुंबई। सनी देओल के मुंबई विला की नीलामी की घोषणा करने वाले एक राष्ट्रीय अखबार में विज्ञापन देने के एक दिन बाद, बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने सोमवार को एक सुधार जारी करते हुए कहा कि अजय सिंह देओल उर्फ सनी देओल के संबंध में बिक्री नोटिस के संबंध में ई-नीलामी तकनीकी कारणों से अपना नोटिस वापस ले लिया है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने रविवार को घोषणा की थी कि वह अभिनेता को दिए गए कर्ज की वसूली के लिए जुहू में स्थित देओल के विला की नीलामी करेगा। बैंक के अनुसार,

ब्याज सहित कर्ज राशि 56 करोड़ रुपये है। 19 अगस्त को जारी नोटिस में कहा गया है कि देओल - पंजाब के गुरदासपुर से लोकसभा सांसद, जिनका औपचारिक नाम अजय सिंह देओल है - कर्ज के उधारकर्ता और गारंटर थे। कर्ज के लिए गारंटर और कॉर्पोरेट गारंटर के रूप में उनके भाई बॉबी देओल या विजय सिंह देओल, उनके पिता धर्मेंद्र सिंह देओल और सनी देओल की कंपनी सनी साउंड्स प्राइवेट लिमिटेड को भी नामित किया गया था। इस बीच कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने नीलामी नोटिस वापिस लिए जाने पर आश्चर्य जताया। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा, श्शकल दोपहर को देश को पता चला कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने भाजपा सांसद सनी देओल के जुहू स्थित आवास को ई-नीलामी के लिए रखा है क्योंकि उन्होंने बैंक का 56 करोड़ रुपये नहीं चुकाया है। आज सुबह 24 घंटे से भी कम समय में देश को पता चला कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने श्तकनीकी कारणोंश से नीलामी नोटिस वापस ले लिया है। आश्चर्य है कि इन 'तकनीकी कारणों' को किसने ट्रिगर किया?

चंद्रयान-3 ने साझा कीं चंद्रमा की ताजा तस्वीरें

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 के लैंडर द्वारा ली गई चंद्रमा की नई तस्वीरों ने इसके दूर के हिस्से पर कुछ प्रमुख गड्ढों की पहचान की, जो हमेशा पृथ्वी से दूर की ओर होते हैं। तस्वीरें एक कैमरे द्वारा ली गई थीं, जिसका काम विक्रम लैंडर को बुधवार शाम को अज्ञात चंद्र दक्षिण ध्रूवीय क्षेत्र पर ऐतिहासिक टचडाउन से पहले एक सुरक्षित लैंडिंग क्षेत्र ढूंढने में मदद करना था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान

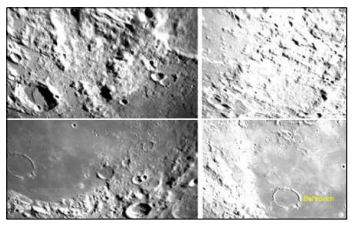

संगठन (इसरो) ने सोमवार को तस्वीरें ट्वीट करते हुए लिखा, यहां लैंडर हैजर्ड डिटेक्शन एंड अवॉइडेंस कैमरा (एलएचडीएसी) द्वारा ली गई चंद्र दूर के क्षेत्र की छवियां हैं। यह कैमरा जो वंश के दौरान बोल्डर या गहरी खाइयों के बिना एक सुरक्षित लैंडिंग क्षेत्र का पता लगाने में सहायता करता है, एसएसी/इसरो में विकसित किया गया है। पिछले शनिवार को ली गई तस्वीरों से क्रेटर हेयन, बॉस एल, मारे हम्बोल्टियानम और बेलकोविच की पहचान हुई। चंद्रमा का सुदूर भाग चंद्र गोलार्ध है जो चंद्रमा की कक्षा में समकालिक घूर्णन के कारण हमेशा पृथ्वी से दूर रहता है। लैंडर बुधवार शाम 6:04 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र को छूने वाला है। सफल होने पर भारत अमेरिका, रूस और चीन के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन जाएगा।

थाईलैंड की फिल्म अभिनेत्री ने किया वेदमंत्रों के साथ शिवाभिषेक

कार्यालय संवाददाता

ऋषिकेश। थाईलैंड की फिल्म अभिनेत्री कंजना जांडी परमार्थ निकेतन आयी। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती से भेंट कर आशीर्वाद लिया। स्वामी जी के पावन सान्निध्य में गंगा आरती, हवन, सत्संग, योग और अन्य आध्यात्मिक गतिविधियों में सहभाग किया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि तेजी से बढ़ते आधुनिकीकरण ने वैश्वीकरण के साथ मिलकर युवाओं की जीवनशैली में व्यापक बदलाव किया हैं, ऐसे में नई पीढ़ी के युवाओं को अपने

मूल, मूल्य और संस्कारों से जोड़े रखना अत्यंत आवश्यक है और भारतीय संस्कृति में उन्नत जीवन के मूल्य समाहित है। थाईलैंड की फिल्म अभिनेत्री कंजना जांडी ने कहा कि परमार्थ निकेतन की गंगा आरती का आकर्षण मुझे भारत लेकर आया है। परमार्थ निकेतन के दिव्य सौन्दर्य में तल्लीन होकर यहां पर हमने विभिन्न आध्यात्मिक गतिविधियों में सहभाग किया। शिव की भूमि पर आकर शिवाभिषेक करने का अवसर भी प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से वे परमार्थ निकेतन की गतिविधियों से हमेशा से जुड़ी रही लेकिन यहां आकर अत्यंत शान्ति और अपनत्व का अनुभव किया। कंजना जांडी ने परमार्थ निकेतन गंगा तट पर वेदमंत्रों के साथ शिवाभिषेक व गंगा जी का अभिषेक किया।

परिवार बनाने की सीख शिव परिवार से लें: आचार्य ममगाईं

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। नेशविला रोड गढ़वाल सभा में महिला कल्याण समिति के द्वारा कलश यात्रा के साथ शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर कथावाचन करते हुए ज्योतिषपीठ व्यास आचार्य शिवप्रसाद ममगांई ने कहा परिवार बनाने की सीख शिव परिवार से लें। विषमता में समता, बैल शेर का बैर, मोर सांप का बैर चुका सांप का बैर लेकिन भगवान सबकी संतुष्टि करते हैं। गणेश को लड्डू, कार्तिक को पहनाव सुन्दर, पार्वती को श्रृंगार तो शिव को राख सबकी व्यवस्था करते हैं।

आचार्य ममगांई ने कहा परिवार को बल से नहीं, प्रेम से ही जीता जा सकता है। अपनों को हराकर आप कभी नहीं जीत सकते अपितु अपनों से हारकर ही आप उन्हें जीत सकते हैं। जो टूटे को बनाना और रूठे को मनाना जानता है, वही तो बुद्धिमान है।

वर्तमान समय में परिवारों की जो स्थिति हो गयी है वह अवश्य चिन्तनीय है। घर-परिवार में आज सुनाने को सब तैयार हैं पर सुनने को कोई तैयार ही नहीं। रिश्तों की मजबूती के लिये हमें सुनाने की ही नहीं अपितु सुनने की आदत भी डालनी पड़ेगी। अपने को सही साबित करने के चक्कर में पूरे परिवार को ही अशांत बनाकर रख देना कदापि उचित नहीं। माना कि आप सही हैं पर कभी - कभी परिवारिक शान्ति बनाये रखने के लिये बेवजह सुन लेना भी कोई अपराध नहीं। जिन्दगी की खूबसूरती केवल ये नहीं कि आप कितने खुश हैं, अपितु ये है कि आपसे कितने खुश हैं।

आज विशेष रूप से अध्यक्ष लक्ष्मी बहुगुणा महासचिव सुजाता पाटनी उपाध्यक्ष कमला नौटियाल उपाध्यक्ष सरस्वती रतुड़ी कोष्ध्यक्ष मंजू बडोनी सुशमा थपलियाल नन्दा तिवारी सन्तोष गैरोला लक्ष्मी गैरोला मिना सेमवाल अनिता भट्ट मनोरमा डोभाल श्रीमती घिल्डियाल पुष्कर कैन्थोला विरेन्द्र असवाल मनोरमा डोभाल शालिनी उनियाल कृष्णा नन्द बहुगुणा आचार्य दामोदर सेमवाल आचार्य संदीप बहुगुणा आचार्य दिवाकर भट्ट आचार्य प्रदीप नौटियाल शुभम सेमवाल आदि थे।

दो 'मुन्ना भाई' गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। दूसरे के बदले परीक्षा देने पहुंचे दो मुन्ने भाईयों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहाँ से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीसीएस एकेडमी के विकास रस्तोगी ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि

आज एकेडमी में द्वितीय व तृतीय पाली की परिक्षा में एसएससी एमटीएस की परीक्षा थी जो कि एसएससी द्वारा आयोजित करायी जा रही थी। जिसमे दो अभियार्थी जिनका नाम अशोक मीना पुत्र अज्ञात क्रमाक सं0 2002033491 . कृष्ण कुमार मीना अनु क्र0स0-2002034160 की परिक्षा हेतु सेंटर में आये थे। जिनकी कागजो की जांच के दौरान परिक्षा केन्द्र में प्रवेश कराया जा रहा था। तो दोनो अभियार्थीयों के आधार कार्ड के मिलान कराया गया तो दोनो पर लगा फोटो अलग पाया गया। पूछने पर दोनो अभियार्थीयों के सही नाम निम्न लिखित है। अशोक मीना की जगह विवेक कुमार मण्डल पुत्र प्रकाश प्रसाद निवासी भवानी विगड़ा थाना वारिसलिगंज जिला नवादा। कृष्ण कुमार मीना की जगह सेफू कुमार पुत्र अशोक कुमार गाव. तिलहोइया बिहार बताया। जिसपर उनके द्वारा दोनों अभियार्थीयों को पकड़कर थाने लाया गया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया गया जहाँ से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

मूसलाधार बारिश से ढहा टपकेश्वर मंदिर का पुश्ता

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी दून में देर रात से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण देहरादून के प्रसिद्ध टपकेश्वर महादेव के मंदिर परिसर को नुकसान हुआ है। टपकेश्वर महादेव मंदिर के लिफ्ट वाले हिस्से का पुश्ता ढह गया है। जिसका मलवा हटाया जा रहा है।

रविवार शाम से शुरू हुई बरसात ने राजधानी देहरादून में कई जगहो पर नुकसान किया है। बीती शाम से लगातार सुबह तक हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से शहर भर के कई इलाकों में जलभराव जैसे हालात देखने को मिल रहे हैं। वहीं देहरादून में स्थित भगवान शिव के प्रसिद्ध टपकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भी नुकसान की सूचना मिली है। यहां मंदिर के लिफ्ट वाले हिस्से का पुशता बह गया है।

टपकेश्वर महादेव मंदिर के मुख्य पुजारी भरत गिरि जी महाराज ने बताया कि देर रात से हो रही लगातार मूसलाधार बारिश के चलते मंदिर परिसर में लगी लिफ्ट के किनारे वाला पुश्ता ढह गया है। बताया कि पुश्ते का केवल छोटा सा हिस्सा गिरा है. इससे मंदिर में किसी भी तरह का कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है।साथ ही उन्होंने बताया कि मजदूर लगाकर मलबे को साफ किया गया है।मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही में किसी तरह की कोई रुकावट नहीं है।

बता दें कि सोमवार को शिवालयों में भक्तों का तांता लगा रहता है. यही वजह है कि आज सुबह जब श्रद्धालु टपकेश्वर महादेव पहुंचे, तो मंदिर परिसर के गेट के ठीक बाहर दीवार ढह जाने की वजह से शुरू में लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा. लेकिन मंदिर संचालकों द्वारा व्यवस्था बनाई गई है। मंदिर में पूजा अर्चना में किसी भी तरह का कोई व्यवधान न हो, इसको लेकर व्यवस्था की गई है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।